

**Title of the course: साहित्य सिद्धांत**  
**(Theory of Literature)**

**Course code: MAR-502**

**Number of credits: 4**      **Number of hours: 60**

**Effective from AY: 2022-2023**

आवश्यकता :	साहित्यशास्त्राला फार प्राचीन व श्रेष्ठ अशी परंपरा लाभलेली आहे. या परंपरेत जे साहित्यशास्त्रीय सिद्धांत मांडले आहेत, त्या सिद्धांतासंबंधीच्या मूलभूत प्रश्नांचे आकलन विद्यार्थ्यांना करून देऊन साहित्याचा अभ्यास अधिक समृद्ध करण्यासाठी या अभ्यासक्रमाची आवश्यकता आहे.	
उद्दिष्ट्ये :	साहित्य सिद्धांतांच्या ह्या अभ्यासक्रमाचे महत्त्व म्हणजे वेगवेगळ्या सिद्धांतांचे, संकल्पनेचे आणि साहित्य सिद्धांत विषयक विचारांचे परिष्कृत रूप विद्यार्थ्यांना सूत्ररूपाने समजावून देणे.	
अभ्यासक्रम :	श्रेयांकन1: साहित्याची प्रकृती	तासिका
	I. ललित व ललितेतर साहित्य II. साहित्यकृतीतील कलात्मकता व रंजकता III. साहित्यनिर्मिती व आस्वाद यांतील कल्पनाशक्तीचे कार्य IV. भावनाजागृती सिद्धांत, कॅथार्सिस व प्रेरणा संतुलनाचा सिद्धांत व रससिद्धांत	३ ३ ३ ६
अभ्यासक्रम :	श्रेयांकन 2: साहित्याचे प्रयोजन	
	I. भारतीय प्रयोजने II. पाश्चात्य प्रयोजने	७ ८
अभ्यासक्रम :	श्रेयांकन 3: साहित्यातील प्रवृत्ती व विचारसरणी	
	I. अभिजातवाद II. सौंदर्यवाद III. वास्तववाद IV. अतिवास्तववाद V. अस्तित्ववाद VI. आधुनिकतावाद	२ ३ २ २ ४ २
अभ्यासक्रम :	श्रेयांकन 4 : साहित्याचे मूल्यमापन	१५
	एकूण	६०
अध्यापन पद्धती :	व्याख्याने, चर्चासत्र, स्वाध्याय, पावर पॉईन्ट सादरीकरण इत्यादी.	
शैक्षणिक फलित :	१. साहित्याच्या संदर्भात सौंदर्याची संकल्पना विद्यार्थ्यांना स्पष्ट होईल. २. वेगवेगळ्या साहित्य सिद्धांतांचे (भारतीय व पाश्चात्य) स्वरूप विद्यार्थ्यांना समजेल. ३. विद्यार्थ्यांना साहित्याची संकल्पना नेमकेपणाने स्पष्ट होईल. ४. वाङ्मयातील 'वाद' संकल्पना लक्षात येईल व त्या आधारे साहित्याचे मूल्यमापन करण्याची दृष्टी विकसित होईल.	
संदर्भ ग्रंथ :	१. करंदीकर गो. वि., 'अरिस्टॉटलचे काव्यशास्त्र', मौज प्रकाशन मुंबई, १९७८	

	<p>२. रसाळ सुधीर, 'कविता आणि प्रतिमा', मौज प्रकाशन मुंबई, १९८२</p> <p>३. रेगे पु. शि., 'छांदसी', मौज प्रकाशन मुंबई, १९६८</p> <p>४. धायगुडे सुरेश, 'पाश्चात्य साहित्यशास्त्र सिध्दांत व संकल्पना', निर्भय प्रकाशन पुणे, १९९०</p> <p>५. शिरवाडकर के. रं., 'मार्क्सवादी साहित्यविचार', कॉन्टिनेंटल प्रकाशन पुणे, १९८०</p> <p>६. मेदककर प्रकाश (संपा), 'मूल्यसंकल्पना आणि साहित्यविचार (डॉ. बाळकृष्ण कवठेकर गौरवग्रंथ)'</p> <p>७. जाधव रा. ग. 'वाङ्मयीन आकलन', वाङ्मय सेवा प्रकाशन नाशिक, २००६</p> <p>८. रायकर सीताराम, यादव आनंद, टापरे पंडित, पुंडे द. दि. (संपा), 'वाङ्मयीन वाद: संकल्पना आणि स्वरूप', मेहता पब्लिशिंग हाऊस पुणे, १९९०</p> <p>९. हातकणंगलेकर म. द., 'वाङ्मयीन शैली आणि तंत्र (संपा)', अभिजात प्रकाशन कोल्हापूर, १९८१</p> <p>१०. पाटील गंगाधर, 'समीक्षेची नवी रूपे', मॅजेस्टिक प्रकाशन मुंबई, १९८१</p> <p>११. कुळकर्णी वा. ल., 'साहित्य स्वरूप व समीक्षा', पॉप्युलर प्रकाशन पुणे, १९७५</p> <p>१२. भागवत श्री. पु., रसाळ सुधीर, पाडगावकर मंगेश, तेंडुलकर शिल्पा, कीर्तने अंजली (संपा), 'साहित्य: अध्यापन व प्रकार', पॉप्युलर प्रकाशन पुणे, १९८७</p> <p>१३. शिरवाडकर के. रं., 'साहित्यवेध', मेहता पब्लिशिंग हाऊस पुणे, १९९८</p> <p>१४. पाटणकर वसंत, 'साहित्यशास्त्र: स्वरूप व समस्या', पद्मगंधा प्रकाशन पुणे, २०११</p> <p>१५. मालशे स. गं., 'साहित्यसिध्दांत', महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ मुंबई, १९८२</p> <p>१६. नेमाडे भालचंद्र, 'साहित्याची भाषा', साकेत प्रकाशन औरंगाबाद, १९८७</p> <p>१७. ढवळे वि. ना., 'साहित्याचे तत्त्वज्ञान', कॉन्टिनेंटल प्रकाशन पुणे, १९८४</p> <p>१८. थोरात हरिश्चंद्र, 'साहित्याचे संदर्भ', मौज प्रकाशन मुंबई, २००५</p> <p>१९. मर्ढेकर बा. सी., 'सौंदर्य आणि साहित्य', मौज प्रकाशन मुंबई, १९९२</p>
--	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------